मंगलीक विचार

आपकी जन्म पत्रिका के पंचम भाव में मंगल स्थित है । पाँचवें भाव से विद्या, बुद्धि तथा संतान आदि का विचार किया जाता है । मंगल के प्रभाव से आप अच्छी शिक्षा एवं ज्ञान प्राप्त करने में सफल होंगे । आपकी क्रियाशील बुद्धि हैं जिससे आप तार्किक हैं एवं तर्क – वितर्क के विषयों में प्रवीण हैं । आप जीवन में संतति सुख प्राप्त करेंगे एवं पुत्र संतान की प्राप्ति में किंचित विलम्ब होने की सम्भावना हो सकती है ।

पाँचवें भाव में स्थित मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि आठवें भाव पर होने से आप अपने जीवन में खूब परिश्रम करेंगे तथा अपने विचारों से दूसरों को प्रवाहित रखेंगे । आपको पेट तथा रक्त, पित्त से सम्बन्धी सामान्य परेशानी होने की सम्भावना हो सकती है । मंगल की सप्तम पूर्ण दृष्टि ग्यारहवें भाव पर होने से 27 वें वर्ष के पश्चात आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी । एक से अधिक आय स्रोतों से लाभ प्राप्त करने की सम्भावना रहेगी । मंगल की बारहवें भाव पर पूर्ण दृष्टि होने से आप भ्रमणशील प्रकृति के व्यक्ति हो सकते है । जीवन में सामान्य रूप यदा–कदा अनावश्यक धन व्यय होने की भी सम्भावना रहेगी । लेकिन इससे आपकी अर्थ व्यवस्था पर कोई विशेष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

पाँचवें भाव में मंगल की स्थिति से आप स्वयं के परिश्रम तथा बुद्धि–विवेक से जीवन में भौतिक सांसारिक उपभोग की वस्तुओं से युक्त होकर सुखी वैवाहिक जीवन यापन करेंगे ।